Mr. Sanjay Kumar
(Assistant Professor)
Dept. Of Psychology
C.M.J. College, Donwarihat,
Khutauna, Madhubani
9905430675(Mobile/WhatsApp)
Email- sanjayuttam725@gmail.com

मनोविज्ञान के लक्ष्य

मनोविज्ञान के लक्ष्य :-

मनोविज्ञान मानव एवं पशु के व्यवहार एवं संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं का वैज्ञानिक अध्ययन करता है ऐसे अध्ययन के पीछे उसके लक्ष्य होते हैं, जो निम्नांकित तीन प्रकार के हैं
1) मापन एवं वर्णन
2)पूर्वानुमान एवं नियंत्रण
3)व्याख्या

१) मापन एवं वर्णन :-

मनोविज्ञान का प्रथम लक्ष्य प्राणी के व्यवहार एवं संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं का मापन करना तथा फिर उसे वर्णन करना होता है। प्रमुख मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाएं जैसे- चिंतन,सीखना, मनोवृति,क्षमता, बुद्धि आदि का वर्णन करने के लिए उसे मापना आवश्यक होता है । इसे मापने के लिए कई तरह के परीक्षण की आवश्यकता होती है इसलिए मनोविज्ञान का एक प्रमुख लक्ष्य मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं को मापने के लिए परीक्षण या विशेष प्रविधि का विकास करना है । इस प्रविधि में कम से कम दो गुणों का होना अनिवार्य है -विश्वसनीयता(reliability) तथा वैधता(validity)।
विश्वसनीयता से तात्पर्य इस बात से होता है कि बार-बार मापने से व्यक्ति के प्राप्तांक में कोई परिवर्तन नहीं आता है तथा वैधता से तात्पर्य इस बात से होता है कि परीक्षण वही माप रहा है जिसे मापने के लिए उसे बनाया गया है।

२) पूर्वकथन एवं नियंत्रण -

मनोविज्ञान का दूसरा प्रमुख लक्ष्य व्यवहार के बारे में पूर्वकथन करना है ताकि उसे ठीक ढंग से नियंत्रित किया जा सके। जहां तक पूर्वकथन का सवाल है, इसमें सफलता मापन की सफलता पर निर्भर करता है ।सामान्यत: मनोवैज्ञानिक व्यवहार के मापन के आधार पर ही पूर्व कथन करते हैं कि व्यक्ति अमुक परिस्थिति में क्या कर सकता है तथा कैसे कर सकता है? मनोवैज्ञानिक मानव व्यवहार के बारे में पूर्वकथन करने के लिए क्षमता, अभिक्षमता के अलावा अभिरुचि का भी मापन करते हैं। मनोवैज्ञानिक जब भी किसी व्यवहार के बारे में पूर्वकथन करते हैं तो उनका मुख्य उद्देश्य उस व्यवहार को नियंत्रण भी करना होता है। स्पष्टत: पूर्वकथन एवं नियंत्रण का कार्य मनोवैज्ञानिक साथ साथ करते हैं

३) व्याख्या-

मनोविज्ञान का अंतिम लक्ष्य मानव व्यवहार की व्याख्या करना होता है। व्यवहार की व्याख्या वैज्ञानिक ढंग से करने के लिए मनोवैज्ञानिक कुछ सिद्धांतों का निर्माण करते हैं। ऐसे सिद्धांत ज्ञात स्रोतों से तथ्यों को संगठित करके किया जाता है जिससे मनोवैज्ञानिकों को उस परिस्थिति में तर्कसंगत अनुमान लगाने में मदद मिलती है। वास्तव में मानव व्यवहार की व्याख्या करना मनोविज्ञान के सबसे प्रमुख लक्ष्य है क्योंकि जब तक मनोवैज्ञानिक यह नहीं बतला पाते हैं कि व्यक्ति अमुक व्यवहार क्यों कर रहा है, अमूक मापन प्रविधि कैसे काम कर रही है तब तक उस व्यवहार का ना तो सही पूर्वकथन किया जा सकता है और ना ही उसका ठीक ढंग से नियंत्रण ही संभव है स्पष्टत: मनोविज्ञान के तीन लक्ष्य हैं और यह तीनों लक्ष्य एक दूसरे से संबंधित है।

01/07/2020. - Sanjay Kumar